सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 132 | अप्रैल : 2021

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

16 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने जारी किया मौद्रिक नीति समिति वक्तव्य 2020-21
- टेलीकॉम सेक्टर को 12,195 करोड़ की पीएलआई योजना मंजूर
- वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट जनवरी 2021
- चाय उत्पादन में वर्ष 2020 में भारत की गिरावट दर्ज

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- नीति आयोग की बैठक में भारत को एक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने पर चर्चा
- जल जीवन मिशन-शहरी के अन्तर्गत एक पायलट 'पेयजल सर्वेक्षण'
- केरल का पहला ब्रेस्ट मिल्क बैंक
- प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा
- 6वाँ इंडिया फार्मा और इंडिया मेडिकल डिवाइस 2021

25 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- लोकतंत्र सूचकांक 2020 में भारत 53वें स्थान पर
- यूएई ने जारी की नई नागरिकता नीति
- वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक 2021 में भारत 7वें स्थान पर
- सऊदी अरब में अब महिलाएं भी सेना में हो सकेंगी शामिल
- डेनमार्क बनाएगा दुनिया का पहला ऊर्जा द्वीप
- भारत-आस्ट्रेलिया सर्कुलर इकोनॉमी हैकाथॉन 2021

29 खेल खिलाड़ी

- दूसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 की मेजबानी करेगा कर्नाटक
- ईशांत शर्मा 300 टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज बने

33 विज्ञान समाचार

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

38 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

41 **प्रौद्योगिकी लेख**—इंटरनेट और इसके अस्थायी बन्द होने के फलितार्थ

42 **सामयिक लेख**—राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति

43 **ऊर्जा लेख**—जैव-ईंधन की भूमिका एवं संभावनाएं

44 **मौसम लेख**—असामान्य ठण्ड का कारण—पोलर वोर्टेक्स

45 **कॅरियर लेख**—एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में कॅरियर

46 **धरोहर लेख**—विज्ञान की कसौटी पर रामसेतु

79 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-129 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

47 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2019 (चरण-I)

54 एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (नॉन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 2019 (चरण-I)

61 राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2019

मॉडल हल

70 आगामी बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र

74 आगामी हरियाणा पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

वाणी पर अंकुश लगाइए

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करै, आपौ शीतल होय।।

वाणी मनुष्य जाति का वह वरदान है जिसके माध्यम से वह अपने को, अपने विचारों एवं भावों को व्यक्त करने में समर्थ होता है. हम सामान्यतः यह मानते आए हैं कि वाणी एवं भाषा का वरदान केवल मानव को ही प्राप्त है, परन्तु वैज्ञानिक शोधों ने अब यह प्रमाणित कर दिया है कि अन्य जीवधारी भी पशु जगत् एवं वनस्पति जगत् भी वाणी के वरदान से वंचित नहीं हैं. वे भी परस्पर कहने-सुनने की प्रक्रिया अपनाते रहते हैं. यह दूसरी बात है कि हम उनकी वाणी न समझते हों. गोस्वामी तुलसीदास का यह कथन निरर्थक न होकर पक्षियों के इस वरदान की ओर इंगित करता है–खग समुझै खग की ही भाषा. अस्तु.

वाणी मनुष्य का मौलिक अधिकार है– केवल बोलना ही नहीं, बल्कि स्वतन्त्रतापूर्वक बोलना मानव का मौलिक अधिकार है. वाणी की स्वतन्त्रता को समस्त देशों में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है, परन्तु आजकल हम देखते हैं कि वाणी की स्वतन्त्रता को उसने वाणी की उच्छृंखलता की सीमा तक पहुँचा दिया है. कुछ ऐसा प्रचलन हो गया है कि व्यक्ति जो भी चाहता है कहता रहता है और वह यह विचार करना आवश्यक नहीं समझता है कि वह क्या कह रहा है, मैं स्वतन्त्रता की सीमाओं का उल्लंघन तो नहीं कर रहा हूँ, मैं जो कुछ कह रहा हूँ वह तथ्यों से परे तो नहीं है, मैं अपने कथन के अनुसार कार्य कर सकूँगा अथवा नहीं आदि. हमारे राजनेता वाणी पर किसी प्रकार का नियंत्रण न रखने के सर्वाधिक दोषी हैं. आप आए दिन देख सकते हैं कि वे लोग विधान सभाओं में तथा लोक सभा में किस प्रकार अपनी बात कहते हैं. इस संदर्भ में हम केवल दो बातें कहना चाहेंगे. इस प्रकार के व्यवहार द्वारा हमारे कर्णधार हमारे भावी कर्णधारों, युवावर्ग को क्या सिखा रहे हैं तथा इस प्रकार की वाणी का दुरुपयोग सम्भवतः पशु-पक्षी भी नहीं करते होंगे, रही बात कथनी के अनुसार करनी करने की. इस संदर्भ में आधुनिक काल के महानतम् नाटककार स्व. जॉर्ज बर्नार्ड शा का यह कथन पर्याप्त होना चाहिए–"राजनीति में सफलता का लक्षण है–वे और ऐसे वायदे करना जिनको पूरा करने का इरादा तुम्हें स्वप्न में भी न हो."

शास्त्र का कथन है कि सत्य बोलो, प्रिय बोलो, अप्रिय बात सत्य होने पर भी मत बोलो, तात्पर्य यह है कि प्रिय कथन वाणी की सार्थकता है. प्रमाण यह है कि प्रिय वाणी सब सुनना चाहते हैं. अप्रिय बोलते समय हम कितने भी तर्क दे सकते हैं, परन्तु अप्रिय वाणी सुनते समय हमारे पास एक भी तर्क नहीं होता है. प्रकृति भी चाहती है कि हम वाणी का प्रयोग प्रिय कथन हेतु करें–

कागा काको धन हरै, कोयल काकों देय।
मीठे वचन सुनाइ कें, जग अपनो कर लेइ।